हमारी बेटियां हैं हुनरमंद... चलाएंगी देश

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया युवा संसद का उद्घाटन, भगत फूल सिंह को बताया महापुरुष

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर में सोमवार को भगत फूल सिंह का 141वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया। महिला विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की तरफ से 17वीं राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहकारिता, कारागार, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शिरकत की। अध्यक्षता महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। युवा संसद में निर्णायक की भूमिका संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ. शालिनी शर्मा व शिक्षाविद प्रो. मंजू परूथी ने निभाई।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज ऐसे महापुरुष का जन्मदिवस है, जिन्होंने न केवल शिक्षा बल्कि समाज हित में अनेक कार्य किए। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी है, यही आने वाले कल में देश चलाएंगी।

सोनीपत के खानपुर कलां स्थित बीपीएस कॉलेज में पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते डॉ. अरविंद शर्मा, कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। स्रोत : विश्वविद्यालय

दौरान सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन भी किया गया। प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रही रितिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रश्न ऑवर में विपक्ष के सांसद के रूप में निधि ने एक राष्ट्र एक चुनाव को राज्यों की स्वतंत्रता और भारत के संघीय ढांचे के लिए खतरा बताया। सरकार की तरफ से कानून व न्याय मंत्री के रूप में जवाब देते हुए लक्षिता ने कहा कि यह लोकतंत्र को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। शिक्षा मंत्री की भूमिका अन्नू स्वामी ने निभाई। संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ. शालिनी शर्मा ने कहा कि छात्राओं को संसद की सीधी कार्य प्रणाली भी दिखाई जानी चाहिए। जिससे इनके आत्मविश्वास को और अधिक बल मिलेगा।

डॉ अरविंद शर्मा ने युवा संसद के छह विजेता सांसदों की घोषणा की। युवा संसद में स्पीकर की भूमिका निभा रही शिखा ने प्रथम, प्रधानमंत्री की भूमिका में रितिका को द्वितीय, कानून एवं न्याय मंत्री लक्षिता ने तृतीय, शिक्षा मंत्री अन्नू स्वामी ने चतुर्थ, विपक्ष सांसद कृतिका ने पांचवां व विपक्ष की सांसद सारा त्यागी ने छठा स्थान पाया।

युवा संसद में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की 55 छात्राओं ने भाग लिया। मंच संचालन डॉ. महेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम की रूपरेखा युवा संसद की समन्वयक डॉ कृतिका दहिया ने रखी। इस दौरान प्रो रवि भूषण, डॉ. मंजू पंवार, प्रो जगदीप सिंगला, प्रो. अशोक वर्मा, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, निदेशक जन संपर्क कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा व बलराम कौशिक भी मौजूद रहे।

भगत फूल सिंह की जयंती पर नैशनल यूथ पार्लियामैंट का मंचन

डा. अरविंद शर्मा बहन सुभाषिणी के जीवन पर पुस्तक का विमोचन करते हुए । (अरोड़ा)

गोहाना, 24 फरवरी (अरोड़ा): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में सोमवार को इस महिला विश्वविद्यालय के संस्थापक भगत फूल सिंह की 140वीं जयंती पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा भारत सरकार के पार्लियामैंट्री अफेयर्स के तत्वाधान में 17वीं नैशनल यूथ पार्लियामैंट का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि प्रदेश के सहकारिता, कारागार, विरासत और पर्यटन मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा रहे। अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की। निर्णायक डॉ. शालिनी शर्मा और प्रो. मंजू परुथी रहे।

डॉ. शर्मा ने कहा कि बेटियो, जीवन में कितनी भी ऊंचाई पर पहुंचना, पर अपनी जड़ों को मत छोड़ना। अपने संस्कार मत भूलना। उन्होंने भगत फूल सिंह की बेटी बहन सुभाषिणी के जीवन पर लिखी पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने कहा कि बहन सुभाषिणी का जीवन त्याग की एक अनोखी मिसाल है।

युवा संसद में नए सांसदों के शपथ ग्रहण करने के उपरांत पी.एम. बनी छात्रा रितिका ने डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूर्णीय क्षति है। प्रश्नकाल में विपक्ष की सांसद निधि ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' को राज्यों की स्वतंत्रता और भारत के संघीय ढांचे के लिए खतरा बताया। कानून व न्याय मंत्री लक्षिता ने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' लोकतंत्र को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने का एक दूरदर्शी कदम है।

विपक्ष सांसद आकांक्षा त्यागी ने सरकार से नीट 2024 पेपर लीक मामले में सवाल पूछा। शिक्षा मंत्री अनु स्वामी ने कहा कि सरकार ने सी.बी.आई. जांच के आदेश पहले ही दे दिए हैं और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं दिया जाएगा। विपक्ष की सांसद दीक्षा ने नैट पेपर लीक मामले को उठाया। युवा संसद में विदेशी पलायन का मुद्दा भी उठाया गया।

युवा संसद में प्रथम स्थान स्पीकर शिखा ने प्राप्त किया, दूसरा स्थान पी.एम. रितिक, तीसरा स्थान कानून एवं न्याय मंत्री लक्षिता, चौथा स्थान शिक्षा मंत्री अनु स्वामी, 5वां स्थान विपक्ष सांसद कृतिका तथा छठा स्थान विपक्ष की सांसद सारा त्यागी ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम में प्रो. श्वेता सिंह, डॉ. महेश शर्मा, डॉ. कृतिका दहिया, प्रो. रवि भूषण, डॉ. मंजू पंवार, प्रो. जगदीप सिंगला, प्रो. अशोक वर्मा, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, डॉ. अनिल बल्हारा तथा बलराम कौशिक भी मौजूद रहे।

140TH BIRTH ANNIV OF BHAGAT PHOOL SINGH

Daughters will run India in future: Minister

TRIBUNE NEWS SERVICE

SONEPAT, FEBRUARY 24

Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya, Khanpur Kalan, on Monday celebrated the 140th birth anniversary of Bhagat Phool Singh, the founder of the university.

The Dean (Student Welfare) organised the 17th National Youth Parliament under the aegis of Parliamentary Affairs, Government of India, on the occasion.

Cooperation, Heritage and Tourism Minister Dr Arvind Sharma was the chief guest while Vice-Chancellor Sudesh presided over the event. Dr Sharma paid floral tributes to Bhagat Phool Singh on the occasion.

Addressing the gathering, the minister said today was the birth anniversary of a great man who contributed greatly to the field of education, and worked for the greater interest of society.

Dr Arvind Sharma, Minister for Cooperation, Heritage and Tourism, at the youth parliament at BPSMV, Khanpur Kalan, on Monday.

Congratulating the university for organising the youth parliament, the minister said our daughters would run the country in future.

Organising such events inculcated a sense of leadership among the students, he added. Sharma appealed to women to not forget their values, no matter how high they reached in.

On the occasion, he released a book titled *Subhashini Gaurav Gatha*.

The Vice-Chancellor said confidence was increasing among girl students, and the future of the country was definitely going to be brighter because of it.

After the oath-taking ceremony of the youth parliament, Ritika, who was assigned the prime minister post, paid tributes to former Prime Minister Dr Manmohan Singh. Speaking during the question hour, Nidhi, entasked with representing an opposition MP, called the One Nation, One Election policy a threat to the independence of states and the federal structure of India, and said the system stood against democracy.

Lakshita, playing the part of the minister of law and justice, said the policy was a visionary step to make democracy more organised and effective.

Parliamentary functioning representative Dr Shalini Sharma praised the functioning of the students and announced the winners — Shikha (speaker) stood first, Ritika (PM) second, and Lakshita (law minister) third place. Annu Swami (education minister) stood fourth, and Kritika and Sara Tyagi (opposition MPs) fifth.

Programme director Shweta Singh said 55 girl students from various departments of the university participated in the youth parliament.

युवा संसद: एक राष्ट्र-एक चुनाव व पेपर लीक के मुद्दे पर हुई बहस

गोहाना. बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक विमोचन करते मंत्री व अन्य।

गोहाना| बीपीएस महिला विवि में सोमवार को भगत फूल सिंह की 140 वीं जयंती पर 17 वीं राष्ट्रीय यूथ संसद का आयोजन किया गया। इस मौके पर बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा केंद्र सरकार के पार्लियामेंट्री अफेयर्स के तत्ववाधान में आयोजित युवा संसद का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने किया। इसमें 55 छात्राओं ने भाग लिया। शुरूआत में शपथ ग्रहण से हुई। फिर प्रधानमंत्री की भूमिका में रितिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रश्न काल में विपक्ष के सांसद के रूप में निधि ने एक राष्ट्र-एक चुनाव को राज्यों की स्वतंत्रता और भारत के संघीय ढांचे व लोकतंत्र के विरुद्ध बताया । कानून व न्याय मंत्री के रूप में ऑलक्षिता ने कहा कि एक राष्ट्र-एक चुनाव लोकतंत्र को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। विपक्ष सांसद आकांक्षा त्यागी ने नीट-2024 पेपर लीक मामले में सवाल पूछा तो शिक्षा मंत्री के रूप में अन्नू स्वामी ने कहा कि सरकार ने सीबीआई जांच के आदेश पहले ही दे दिए हैं । विपक्ष की सांसद दीक्षा ने नेट पेपर लीक मामले को भ्री युवा संसद में उठाया। स्पीकर की भूमिका में शिखा प्रथम, प्रधानमंत्री की भूमिका में रितिका द्वितीय व कानून मंत्री लक्षिता तृतीय रहीं। शिक्षा मंत्री अन्नू स्वामी चौथे, विपक्ष सांसद कृतिका पांचवें व सारा त्यागी छठे स्थान पर रहीं। निर्णायक की भूमिका संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ. शालिनी शर्मा व शिक्षाविद प्रो. मंजू परुथी ने निभाई। अध्यक्षता विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। प्रो. श्वेता सिंह, डॉ. महेश शर्मा, युवा संसद की कोऑर्डिनेटर डॉ. कृतिका दहिया के अलावा प्रो. रवि भूषण, डॉ. मंजू पंवार, प्रो. जगदीप सिंगला, प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. विजय नेहरा, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. अनिल बल्हारा, बलराम कौशिक आदि मौजूद रहे।

140वीं जयंती मनाई : भगत फूल सिंह प्रसिद्ध समाज सुधारक थे : अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में सोमवार को महिला विवि के संस्थापक भगत फूल सिंह का 140वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इसके साथ ही विवि में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा भारत सरकार के पार्लियामेंट्री अफेयर्स के तत्वाधान में 17वीं राष्ट्रीय युवा संसद का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा थे। अध्यक्षता विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने की।

डॉ. अरविन्द शर्मा ने भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। वे बोले कि आज एक ऐसे महापुरुष का जन्मदिन है जिन्होंने न केवल शिक्षा क्षेत्र अपितु समाजहित में भी अनेक कार्य किए। वे एक प्रसिद्ध समाज सुधारक थे। उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर है।

हमारी बेटियां आने वाले समय में चलाएंगी देश : मंत्री

मंत्री ने राष्ट्रीय युवा संसद के आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियां आने वाले समय में देश चलाएंगी। हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी हैं। खुद को एक नेता के रूप में प्रस्तुत करना ये इनकी कौशलता को दर्शाता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि वे जीवन में चाहे कितनी भी उंचाइयों पर पहुंच जाएं लेकिन अपने संस्कारों को कभी न भूलें। मंत्री ने कार्यक्रम में बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन किया।

गोहाना। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। फोटो : हरिभूमि

- मंच संचालन डॉ. महेश शर्मा ने किया कार्यक्रम की रूपरेखा को-ऑर्डिनेटर डॉ. कृतिका दहिया ने प्रस्तुत की
- युवा संसद में 55 छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

उन्होंने कहा कि बहन सुभाषिणी का जीवन त्याग की एक अनोखी मिसाल है। कार्यक्रम में प्रो. रवि भूषण, डॉ. मंजू पंवार, प्रो. जगदीप सिंगला, डॉ. सुमन दलाल, निदेशक जन सम्पर्क कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा व बलराम कौशिक भी मौजूद रहे। राष्ट्रीय युवा संसद में छात्रा भूमिका ने स्पीकर, छात्रा रितिका ने प्रधानमंत्री, निधि, दीक्षा व आकांक्षा त्यागी ने विपक्ष की नेता, लक्षिता ने कानून मंत्री और अन्नु स्वामी ने शिक्षा मंत्री की भूमिका निभाते हुए अपनी प्रतिभा का सराहनीय प्रदर्शन किया। संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ. शालिनी शर्मा ने छात्राओं की कार्यप्रणाली को सराहा। कार्यक्रम निदेशक प्रो. श्वेता सिंह ने बताया कि युवा संसद में विभिन्न विभागों की 55 छात्राओं ने भाग लिया।

एक राष्ट्र एक चुनाव लोकतंत्र को प्रभावी बनाने का दूरदर्शी कदम : डा. अरविंद शर्मा

महिला विश्वविद्यालय में युवा संसद कार्यक्रम आयोजित कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा रहे मुख्य अतिथि

जागरण संवाददाता, गोहाना: भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में सोमवार को छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा भारत सरकार के पार्लियामेंट्री अफेयर्स के तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा संसद का आयोजन किया। मुख्य अतिथि राज्य के सहकारिता, कारागार एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा रहे। कार्यक्रम में छात्राओं ने संसद की कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन किया। सत्ता पक्ष और विपक्ष में विभिन्न मुद्दों पर बहस हुई। एक राष्ट्र एक चुनाव का मुद्दा सबसे प्रमुख रहा।

प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रही रितिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वो एक अद्भुत अर्थशास्त्री व सच्चे देश भगत थे। इसके बाद प्रश्नकाल शुरू हुआ। विपक्ष के सांसद के रूप में निधि ने एक राष्ट्र एक चुनाव को राज्यों की स्वतंत्रता और भारत के संघीय ढांचे के लिए खतरा बताया और कहा यह व्यवस्था लोकतंत्र के विरुद्ध है। सरकार की तरफ से कानून व न्याय मंत्री के रूप में जवाब देते हुए लक्षिता ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव लोकतंत्र को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। वर्तमान में भारत में बार-बार होने वाले चुनाव से प्रशासनिक कार्य बाधित होते है, आचार सहिंता लागू होने से विकास योजनाएं रुक जाती हैं और भारी आर्थिक खर्च सरकार पर पड़ता है। विपक्ष सांसद की भूमिका में आकांशा त्यागी ने पेपर लीक का मामला उठाया जबकि शिक्षा मंत्री की भूमिका में अन्नू स्वामी ने कहा कि सीबीआइ जांच के आदेश पहले ही दे दिए है। विदेशी पलायन का मुद्दा भी

युवा संसद में सत्ता पक्ष की भूमिका में छात्रा अपना पक्ष रखती हुई • जागरण

उठा। संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डा. शालिनी शर्मा ने कहा कि छात्राओं को संसद की सीधी कार्यप्रणाली दिखाई जानी चाहिए। युवा संसद में प्रथम स्थान स्पीकर की भूमिका निभा रही छात्रा शिखा ने प्राप्त किया। दूसरा स्थान प्रधानमंत्री की भूमिका में रितिका, तीसरा स्थान कानून एवं न्याय मंत्री लक्षिता, चौथा स्थान शिक्षा मंत्री अन्नू स्वामी, पांचवां स्थान विपक्ष सांसद कृत्तिका और छठा स्थान विपक्ष की सांसद सारा त्यागी ने प्राप्त किया। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने की। निर्णायक की भूमिका डा. शालिनी शर्मा व प्रो. मंजू परुथी ने निभाई। इस मौके पर प्रो. श्वेता सिंह, डा. महेश शर्मा, डा. कृतिका दहिया, प्रो. रवि भूषण, डा. मंजू पंवार, प्रो. जगदीप सिंगला, प्रो. अशोक वर्मा, प्रो. विजय नेहरा, डा. सुमन दलाल, डा. अनिल बल्हारा, बलराम कौशिक रहे।

बेटियां अपार प्रतिभा की धनी, यही देश चलाएंगी: विश्वविद्यालय में युवा संसद कार्यक्रम के अलावा संस्थापक भगत फूल सिंह का जन्मदिवस भी धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने भगत फूल सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि भगत जी ने न केवल शिक्षा बल्कि समाज के हित में भी अनेक कार्य किए। उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर है। उन्होंने युवा संसद में छात्राओं की प्रतिभा को देखते हुए कहा कि बेटियां अपार प्रतिभा की धनी हैं और आने वाले समय में यही देश को चलाएंगी। डा. शर्मा ने कहा कि बेटियों जीवन में कितनी भी ऊंचाई पर जाएं, लेकिन अपनी जड़ों को मत छोड़ें। बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते डा. शर्मा ने कहा कि बहन जी का जीवन त्याग की एक अनोखी मिसाल है। उनके जीवन चरित्र का अध्ययन सभी को करना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री डा. अरविंद शर्मा पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते हुए, साथ में विश्वविद्यालय के अधिकारी • सौ. प्रवक्ता

The First Update's Post

The First Update
17 hours ago

The First Update-
यही छात्राएं चलाएंगी देश हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी -डॉ अरविंद शर्मा खानपुर कलां - 24 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आज महिला विश्वविद्यालय के संस्थापक भगत फूल सिंह जी का 140 वां जन्मदिवस बहुत धूम धाम से मनाया गया। आज महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा भारत सरकार के पार्लिअमेंटरी अफेयर्स के तत्वाधान में 17 वीं नेशनल यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के सहकारिता , कारागार एवं विरासत व पर्यटन मामलो के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा में शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की। युवा संसद में निर्णायक की भूमिका संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ शालिनी शर्मा व शिक्षाविद प्रो मंजू परुथी ने निभाई।
डॉ अरविन्द शर्मा ने महिला परिसर में पहुंचने पर भगत फूल सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज एक ऐसे महापुरुष का जन्मदिन है जिन्होंने न केवल शिक्षा बल्कि समाज के हित में भी अनेको कार्य किए। उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर है। उन्होंने युवा संसद के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ये हमारी बेटियां आने वाले समय में देश चलाएंगी। ऐसे आयोजन करने से छात्राओं में नेतृत्व के भाव आते है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी है। खुद को एक नेता के रूप में प्रस्तुत करना ये इनकी कौशलता को दर्शाता है। डॉ शर्मा ने कहा कि बेटियों जीवन में कितनी भी ऊंचाई पर पहुंचना पर अपनी जड़ों को मत छोड़ना। अपने संस्कार मत भूलना। इस अवसर पर बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते डॉ अरविन्द शर्मा ने कहा कि बहन जी का जीवन त्याग की एक अनोखी मिशाल है। उनके जीवन चरित्र का अध्ययन सभी को करना चाहिए।
युवा संसद के शुरुआत में सभी नए सांसदों के शपथ ग्रहण करने के उपरांत प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रही छात्रा रितिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वो एक अध्भुत अर्थशास्त्री व सच्चे देश भगत थे। प्रश्न ऑवर में बोलते हुए विपक्ष के सांसद के रूप में निधि ने "एक राष्ट्र एक चुनाव" को राज्यों की स्वतंत्रता और भारत के संधीय ढांचे के लिए खतरा बताया और कहा की यह व्यवस्था लोकतंत्र के विरुद्ध है। सरकार की तरफ से कानून व न्याय मंत्री के रूप में जवाब देते हुए छात्रा लक्षिता ने कहा कि "एक राष्ट्र एक चुनाव " लोकतंत्र को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। वर्तमान में भारत में बार बार होने वाले चुनाव से प्रशाशनिक कार्य बाधित होते है ,आचार सहिंता लागू होने से विकास योजनाएं रुक जाती है, और भारी आर्थिक खर्च सरकार पर पड़ता है। विपक्ष सांसद की भूमिका में आकांशा त्यागी ने सरकार से नीट 2024 पेपर लीक मामले में सवाल पूछते हुए कहा कि लाखों अभ्यर्थी एक आस में पेपर की तैयारी करते है लेकिन सरकार का भ्रष्टाचार और धांधली उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर देता है। शिक्षा मंत्री की भूमिका में जवाब देते हुए अन्नू स्वामी ने कहा कि सरकार ने सीबीआई जाँच के आदेश पहले ही दे दिए है, और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं दिया जाएगा। विपक्ष की सांसद दीक्षा ने नीट के अलावा नेट पेपर लीक मामले को भी युवा संसद में उठाया। युवा संसद में विदेशी पलायन का मुद्दा भी उठाया गया।
संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ शालिनी शर्मा ने छात्राओं की कार्य प्रणाली को सरहाते हुए कहा कि इन छात्राओं को संसद की सीधी कार्य प्रणाली भी दिखाई जानी चाहिए। जिससे इनके आत्मविश्वास को और अधिक बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि 17 वीं युवा संसद का पहला संस्करण महिला विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया है। डॉ शर्मा ने युवा संसद के 6 विजेता सांसदों की भी घोषणा की तथा बताया कि इन छात्राओं के प्रमाण पत्र संसदीय कार्य प्रणाली विभाग से आते है। उन्होंने बताया कि युवा संसद में प्रथम स्थान स्पीकर की भूमिका निभा रही छात्रा शिखा ने प्राप्त किया दूसरा स्थान प्रधानमंत्री की भूमिका में रितिका ने , तीसरा स्थान कानून एवं न्याय मंत्री लक्षिता ने , चौथा स्थान शिक्षा मंत्री रही अन्नू स्वामी ने , पांचवा स्थान विपक्ष सांसद कृतिका ने तथा छठा स्थान विपक्ष की सांसद सारा त्यागी ने प्राप्त किया। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह परिवर्तन का समय है। आगे बढ़ने का समय है , और हमारी छात्राओं की प्रतिभा विभिन कार्यक्रमों के माध्यम से निखर कर सामने आ रही है। कुलपति ने कहा कि जिस तरह से छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है, निश्चित ही देश का भविष्य और भी सुनहरा होने वाला है। कार्यक्रम की निदेशक प्रो श्वेता सिंह ने बताया कि इस युवा संसद में विश्वविद्यालय के विभिन विभागों की 55 छात्राओं ने भाग लिया। मंच संचालन डॉ महेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम की रुपरेखा युवा संसद की कोर्डिनेटर डॉ कृतिका दहिया ने रखी। इस कार्यक्रम में प्रो रवि भूषण , डॉ मंजू पंवार , प्रो जगदीप सिंगला , प्रो अशोक वर्मा, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, निदेशक जन सम्पर्क कर्नल डॉ अनिल बल्हारा तथा बलराम कौशिक भी मौजूद रहे।
फोटो कैप्शन :-02 दीप प्रज्वलन कर युवा संसद का शुभारम्भ करते हरियाणा सरकार में केंद्रीय मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा। 03. संसद की कार्यवाही देखते हरियाणा सरकार में केंद्रीय मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा कुलपति प्रो सुदेश व अन्य। 04. बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते केंद्रीय मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा कुलपति प्रो सुदेश व अन्य। 05. केंद्रीय मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो सुदेश। 06 युवा संसद की कार्यवाही के दौरान सांसद बनी छात्राएं।

All India Media Association

(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)

24/02/2025 03:09 PM

यही छात्राएं चलाएंगी देश हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी -डॉ अरविंद शर्मा

खानपुर कलां - 24 फरवरी। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में आज महिला विश्वविद्यालय के संस्थापक भगत फूल सिंह जी का 140 वां जन्मदिवस बहुत धूम धाम से मनाया गया। आज महिला विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग द्वारा भारत सरकार के पार्लिअमेंटरी अफेयर्स के तत्वाधान में 17 वीं नेशनल यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के सहकारिता , कारागार एवं विरासत व पर्यटन मामलो के कैबिनेट मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा में शिरकत की। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने की। युवा संसद में निर्णायक की भूमिका संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ शालिनी शर्मा व शिक्षाविद प्रो मंजू परुथी ने निभाई।

डॉ अरविन्द शर्मा ने महिला परिसर में पहुंचने पर भगत फूल सिंह जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि आज एक ऐसे महापुरुष का जन्मदिन है जिन्होंने न केवल शिक्षा बल्कि समाज के हित में भी अनेको कार्य किए। उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर है। उन्होंने युवा संसद के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि ये हमारी बेटियां आने वाले समय में देश चलाएंगी। ऐसे आयोजन करने से छात्राओं में नेतृत्व के भाव आते है। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां अपार प्रतिभा की धनी है। खुद को एक नेता के रूप में प्रस्तुत करना ये इनकी कौशलता को दर्शाता है। डॉ शर्मा ने कहा कि बेटियों जीवन में कितनी भी ऊंचाई पर पहुंचना पर अपनी जड़ों को मत छोड़ना। अपने संस्कार मत भूलना। इस अवसर पर बहन सुभाषिनी के जीवन पर लिखी पुस्तक सुभाषिनी गौरव गाथा का विमोचन करते डॉ अरविन्द शर्मा ने कहा कि बहन जी का जीवन त्याग की एक अनोखी मिशाल है। उनके जीवन चरित्र का अध्ययन सभी को करना चाहिए।

युवा संसद के शुरुआत में सभी नए सांसदों के शपथ ग्रहण करने के उपरांत प्रधानमंत्री की भूमिका निभा रही छात्रा रितिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। वो एक अध्भुत अर्थशास्त्री व सच्चे देश भगत थे। प्रश्न ऑवर में बोलते हुए विपक्ष के सांसद के रूप में निधि ने "एक राष्ट्र एक चुनाव" को राज्यों की स्वतंत्रता और भारत के संधीय ढांचे के लिए खतरा बताया और कहा की यह व्यवस्था लोकतंत्र के विरुद्ध है।
सरकार की तरफ से कानून व न्याय मंत्री के रूप में जवाब देते हुए छात्रा लक्षिता ने कहा कि "एक राष्ट्र एक चुनाव " लोकतंत्र को अधिक संगठित और प्रभावी बनाने का एक दूरदर्शी कदम है। वर्तमान में भारत में बार बार होने वाले चुनाव से प्रशाशनिक कार्य बाधित होते है ,आचार सहिंता लागू होने से विकास योजनाएं रुक जाती है, और भारी आर्थिक.खर्च सरकार पर पड़ता है।
विपक्ष सांसद की भूमिका में आकांशा त्यागी ने सरकार से नीट 2024 पेपर लीक मामले में सवाल पूछते हुए कहा कि लाखों अभ्यर्थी एक आस में पेपर की तैयारी करते है लेकिन सरकार का भ्रष्टाचार और धांधली उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर देता है।
शिक्षा मंत्री की भूमिका में जवाब देते हुए अन्नू स्वामी ने कहा कि सरकार ने सीबीआई जाँच के आदेश पहले ही दे दिए है, और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं दिया जाएगा।
विपक्ष की सांसद दीक्षा ने नीट के अलावा नेट पेपर लीक मामले को भी युवा संसद में उठाया।
युवा संसद में विदेशी पलायन का मुद्दा भी उठाया गया।

संसदीय कार्य प्रणाली की प्रतिनिधि डॉ शालिनी शर्मा ने छात्राओं की कार्य प्रणाली को सरहाते हुए कहा कि इन छात्राओं को संसद की सीधी कार्य प्रणाली भी दिखाई जानी चाहिए। जिससे इनके आत्मविश्वास को और अधिक बल मिलेगा। उन्होंने बताया कि 17 वीं युवा संसद का पहला संस्करण महिला विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया है। डॉ शर्मा ने युवा संसद के 6 विजेता सांसदों की भी घोषणा की तथा बताया कि इन छात्राओं के प्रमाण पत्र संसदीय कार्य प्रणाली विभाग से आते है। उन्होंने बताया कि युवा संसद में प्रथम स्थान स्पीकर की भूमिका निभा रही छात्रा शिखा ने प्राप्त किया दूसरा स्थान प्रधानमंत्री की भूमिका में रितिका ने , तीसरा स्थान कानून एवं न्याय मंत्री लक्षिता ने , चौथा स्थान शिक्षा मंत्री रही अन्नू स्वामी ने , पांचवा स्थान विपक्ष सांसद कृतिका ने तथा छठा स्थान विपक्ष की सांसद सारा त्यागी ने प्राप्त किया।
अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह परिवर्तन का समय है। आगे बढ़ने का समय है , और हमारी छात्राओं की प्रतिभा विभिन कार्यक्रमों के माध्यम से निखर कर सामने आ रही है। कुलपति ने कहा कि जिस तरह से छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ रहा है, निश्चित ही देश का भविष्य और भी सुनहरा होने वाला है।
कार्यक्रम की निदेशक प्रो श्वेता सिंह ने बताया कि इस युवा संसद में विश्वविद्यालय के विभिन विभागों की 55 छात्राओं ने भाग लिया।
मंच संचालन डॉ महेश शर्मा ने किया।
कार्यक्रम की रुपरेखा युवा संसद की कोर्डिनेटर डॉ कृतिका दहिया ने रखी।
इस कार्यक्रम में प्रो रवि भूषण , डॉ मंजू पंवार , प्रो जगदीप सिंगला , प्रो अशोक वर्मा, प्रो विजय नेहरा, डॉ सुमन दलाल, निदेशक जन सम्पर्क कर्नल डॉ

All India Media Association
(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878)
24/02/2025 03:42 PM

शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी जरुरु -प्रो सुदेश

महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह बात कही भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह जी की 140 वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त कही। विश्वविद्यालय यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ में कुलपति प्रो सुदेश ने यजमान बन आहुति डाली।

बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

यज्ञ उपरांत भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह जी ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है।

कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की।

इस अवसर पर बहन ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, डॉ सुमन दलाल सहित प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर शिक्षक कर्मी एवं कन्या गुरुकुल विद्यापीठ की छात्राएं उपस्थित रही।

फोटो कैप्शन-

01, - भगत फूल सिंह की जयंती पर आयोजित हवन कार्यक्रम में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश आहुति डालते हुए।

1

1127 views

(loginmember.aspx) (https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?type=Share&nid=387458)

More News

Copyright AIMAMEDIA FOUNDATION 2025

The First Update's Post

The First Update
17 hours ago

The First Update-
खानपुर कलां, 24 फरवरी। महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद् भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह बात कही भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश ने भगत फूल सिंह जी की 140 वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए व्यक्त कही। विश्वविद्यालय यज्ञशाला में आयोजित हवन-यज्ञ में कुलपति प्रो सुदेश ने यजमान बन आहुति डाली।

बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

यज्ञ उपरांत भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह जी ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है।

कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

इस अवसर पर बहन शकुंतला देवी ने भी भगत फूल सिंह के जीवन से जुड़ी यादें साझा की।

इस अवसर पर बहन ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, डॉ सुमन दलाल सहित प्राध्यापक, शोधार्थी, विद्यार्थी, गैर शिक्षक कर्मी एवं कन्या गुरुकुल विद्यापीठ की छात्राएं उपस्थित रही।

फोटो कैप्शन-

01, - भगत फूल सिंह की जयंती पर आयोजित हवन कार्यक्रम में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश आहुति डालते हुए।

#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India

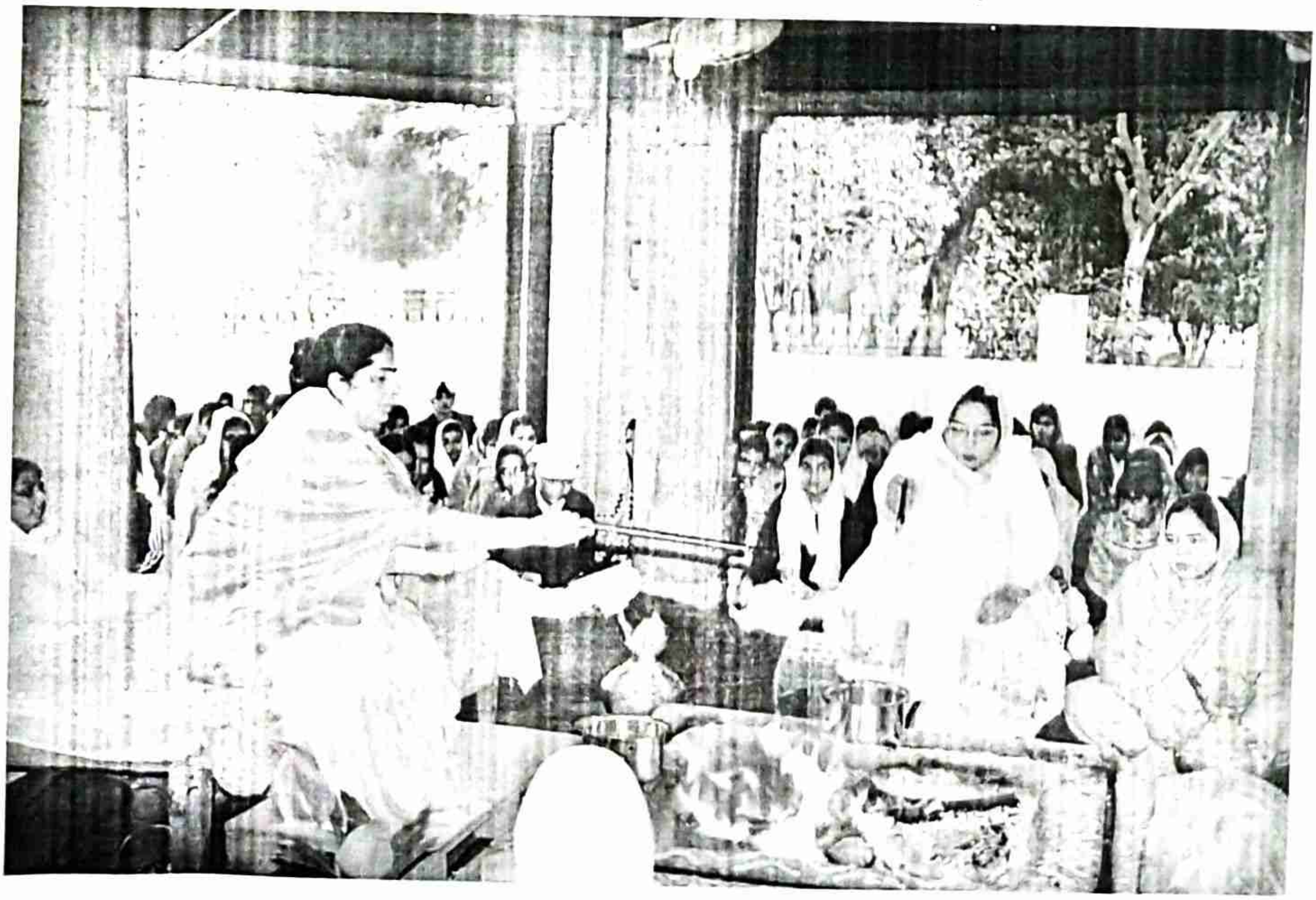

See insights and ads

भगत फूल सिंह जयंती पर नारी सशक्तीकरण का आह्वान

सोनीपत के खानपुर कलां में भगत फूल सिंह की जयंती पर आयोजित हवन कार्यक्रम में महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश आहुति डालते हुए। स्रोत : विश्वविद्यालय

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है।

यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तीकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह बात बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो सुदेश ने कही। वह सोमवार को भगत फूल सिंह की जयंती पर यज्ञशाला में आयोजित हवन में आहुति डाल रही थी। शकुंतला देवी ने विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

भगत फूल सिंह को नमन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष कर इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया।

महिला विश्वविद्यालय भगत फूल सिंह की तपोस्थली : प्रो. सुदेश

यज्ञ में आहुति डालतीं कुलपति प्रो. सुदेश, डा. सुमन दलाल व साथ में छात्राएं • प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तीकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। यह बात विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कही। भगत जी के जन्मदिवस पर विश्वविद्यालय यज्ञशाला में हवन यज्ञ करवाया गया। बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ संपन्न कराया।

दूसरी तरफ शहर में सेक्टर सात स्थित महर्षि दयानंद पार्क में भगत फूल सिंह का जन्मदिवस मनाया गया। सेवानिवृत्त शिक्षक रमेश सैनी ने कहा कि गांव खानपुर कलां में जिस स्थान पर उत्तर भारत का सबसे पहला महिला विश्वविद्यालय है, उसे भगत जी ने 1936 में केवल तीन छात्राओं के साथ प्रारंभ किया था। इससे 17 साल पहले वह 1919 में भैंसवाल कलां गांव में लडक़ों का गुरुकुल खोल चुके थे।

गोहाना. हवन में आहुति डालते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य।

भगत फूल सिंह के बलिदान व प्रेरणा का उदाहरण बीपीएस महिला विवि : प्रो. सुदेश

भगत फूल सिंह की 140वीं जयंती पर हवन

भास्कर न्यूज | गोहाना

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बीपीएस महिला विवि मात्र शिक्षण संस्थान ही नहीं, बल्कि महान शिक्षाविद भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विवि उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। वे सोमवार को भगत फूल सिंह की 140 वीं जयंती पर विवि परिसर में आयोजित हवन में आहुति डालने के उपरांत संबोधित कर रहे थे। हवन बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि-विधान से संपन्न कराया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विवि समुदाय के लिए पुनः संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके निस्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विवि रूपी वट वृक्ष बन गया है। नारी शिक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए विवि प्रशासन लगातार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि भगत फूल सिंह और बहन सुभाषिनी देवी के विचार व नारी शिक्षा में योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस मौके पर बहन ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, डॉ. सुमन दलाल आदि मौजूद रहे।

भगत फूल सिंह की तपोस्थली है महिला विश्वविद्यालय : प्रो. सुदेश

गोहाना, 24 फरवरी (अरोड़ा): महिला विश्वविद्यालय भगत फूल सिंह की तपोस्थली है। यह विश्वविद्यालय उनके बलिदान और उनकी प्रेरणा से नारी शिक्षा व सशक्तिकरण में जन भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

सोमवार को यह बात बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने भगत फूल सिंह की 140वीं जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कही। विश्वविद्यालय यज्ञशाला में आयोजित हवन में प्रो. सुदेश ने यजमान बन आहुति डाली।

हवन में आहुति डालते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। *(अरोड़ा)*

बहन शकुंतला देवी ने पूरे विधि विधान से यज्ञ सम्पन्न कराया। प्रो. सुदेश ने कहा कि यह आयोजन केवल हवन मात्र नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय समुदाय के लिए पुन: संकल्प लेने का अवसर है कि किस प्रकार भगत फूल सिंह ने विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करते हुए इस शिक्षा रूपी पौधे को लगाया। उनके नि:स्वार्थ सेवा के उद्देश्य और संकल्प के परिणाम स्वरूप यह पौधा आज विश्वविद्यालय रूपी वट वृक्ष बन गया है।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि भगत फूल सिंह और उनकी बेटी बहन सुभाषिणी के विचार और उनसे जुड़े संस्मरणों का दस्तावेजीकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर ज्ञानवती, ब्रह्मवती, साहिब कौर, डॉ सुमन दलाल आदि उपस्थित रहीं।